

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने बायोफिजिका-2024 का आयोजन किया: अंतःविषयक विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंसेज ने 22 नवंबर, 2024 को बायोफिजिका-2024: अंतःविषयक विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन की गर्व के साथ मेजबानी की। यह सम्मेलन ने विभिन्न वैज्ञानिक विषयों में अभूतपूर्व प्रगति का पता लगाने के लिए प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विचारकों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया।

एक दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, कुलसचिव, जामिया मिल्लिया इस्लामिया की अध्यक्षता में औपचारिक उद्घाटन सत्र के साथ हुई जो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में, प्रो. रिज़वी ने एनआईआरएफ रैंकिंग और एनएएसी मान्यता में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रभावशाली प्रदर्शन में योगदान देने में सीआईआरबीएससी और जीवन विज्ञान संकाय की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।

प्रो. दिनाकर एम सालुंके, संरचनात्मक प्रतिरक्षा विज्ञान और आणविक जीव विज्ञान के एक प्रसिद्ध व्यक्ति ने सम्मानित अतिथि के रूप में बहुत ही प्रेरक बीज वक्तव्य दिया। इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी और रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, फ़रीदाबाद के पूर्व निदेशक के रूप में अपने शानदार करियर की शुरुआत करते हुए, प्रो सालुंके ने जटिल जैविक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतःविषयक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. सालुंके ने प्रो. जी.एन.रामचंद्रन के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर देते हुए भारत और विदेशों में बायोफिज़िक्स की उत्पत्ति के बारे में भी चर्चा की।

प्रो सीमी फरहत बसीर ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया में बायोफिज़िक्स की विरासत को स्वीकार किया, जिसे 1985 में प्रो अमीन द्वारा शुरू किया गया था। इस विरासत को प्रो. फैज़ान अहमद द्वारा आगे बढ़ाया गया और प्रो. इम्तियाज़ हसन द्वारा इसका आधुनिकीकरण किया गया, जिन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधानों को शामिल किया और प्रो असिमुल इस्लाम, जिन्होंने यहां पर न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग अनुसंधान की शुरुआत की।

उद्घाटन सत्र ने वैज्ञानिक विषयों में सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सम्मेलन के उद्देश्य को रेखांकित किया। आईआरबीएससी के निदेशक प्रो राजन पटेल ने इस बात पर रोशनी डाली कि किस प्रकार बायोफिजिका-2024 ने अंतःविषयक संवाद के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया है, जो स्वास्थ्य देखभाल में बायोफिज़िक्स, आणविक जीव विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विषयों से संबंधित है।

प्रो जाहिद अशरफ, संकायाध्यक्ष, फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंसेज ने रोग उपचार, जेनेटिक इंजीनियरिंग और स्थिरता जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में इन क्षेत्रों के तालमेल पर बल दिया, जिससे वैज्ञानिक नवाचार के केंद्र के रूप में जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थिति मजबूत हुई है।

सम्मेलन में डॉ. जी. सेंथिल कुमार (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी) सहित प्रमुख वैज्ञानिकों की आमंत्रित वार्ता हुई, जिन्होंने प्रोटीन एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी पर अत्याधुनिक शोध प्रस्तुत किए। डॉ. विनीत गौड़ (एनआईपीजीआर, नई दिल्ली), जिन्होंने पौधों के डीएनए की मरम्मत के तंत्र से संबंधित जटिल चीजों की खोज की।

जीवंत पोस्टर सत्र ने उभरते शोधकर्ताओं को अपनी नवीन परियोजनाओं को प्रदर्शित करने, नेटवर्किंग और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया। दोपहर के सत्र में डॉ. राहुल कटारिया (दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी) द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित स्वास्थ्य देखभाल नवाचार और डॉ. नीतू सिंह (आईआईटी दिल्ली) द्वारा अभूतपूर्व आणविक जीवविज्ञान रणनीतियाँ जैसे परिवर्तनकारी विषयों पर चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम में मौखिक प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला भी शामिल थी, जिसमें जामिया मिल्लिया इस्लामिया, एम्स, जेएनयू, एएमयू और शारदा विश्वविद्यालय सहित प्रतिष्ठित संस्थानों के युवा वैज्ञानिकों के अग्रणी कार्यों पर रोशनी डाली गई। आइसब्रेकर सत्र, गोलमेज चर्चा और छात्रों द्वारा आयोजित आकर्षक गतिविधियों ने सम्मेलन के गतिशील माहौल में चार चांद लगा दिया।

समापन सत्र और प्रमाणपत्र वितरण के साथ सम्मेलन का समापन हुआ। डॉ. नजमुल अरफिन ने सभी प्रतिभागियों और वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए और वैज्ञानिक खोज की सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली पहलों को जारी रखने की कामना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

बायोफिजिका-2024 एक शानदार सफलता थी जिससे बौद्धिक आदान-प्रदान और सहयोग के माहौल को बढ़ावा मिला। इस आयोजन ने अंतःविषयक विज्ञान को आगे बढ़ाने और नवाचार की खोज में युवा शोधकर्ताओं को पोषित करने की जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया